

प्रेषक,

अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून,

दिनांक- 27 मार्च, 2014

विषय: राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार को बेस चिकित्सालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु डी0पी0आर0 की संस्तुत धनराशि के सापेक्ष एस.पी.ए. के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि अवमुक्त किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प/1/21/2012/9015 दिनांक 28.02.2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार को बेस चिकित्सालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु संस्तुत कुल लागत ₹3159.81 लाख (सिविल कार्यों की लागत ₹2637.31 लाख तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के प्रावधानों के अनुसार कराये जाने वाले कार्यों की लागत ₹522.50 लाख) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या-05/XXVIII-5-2014-51/2008 दिनांक 01 जनवरी, 2014 द्वारा प्रथम किश्त के रूप में ₹100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की धनराशि अवमुक्त की गई है। प्रश्नगत परियोजना हेतु भारत सरकार योजना आयोग के पत्र संख्या-M-13048/27(UTT)/2012-SP-N दिनांक 17.12.2013 द्वारा विशेष योजनागत सहायता के अन्तर्गत ₹450.00 लाख स्वीकृत किये गये हैं। अतः पूर्व में अवमुक्त धनराशि ₹100.00 लाख में से राज्यांश ₹50.00 लाख समायोजित करते हुए भारत सरकार द्वारा एस.पी.ए. के अन्तर्गत स्वीकृत केन्द्रांश ₹450.00 लाख (रुपये चार करोड़ पचास लाख मात्र) शासनादेश संख्या-05/XXVIII-5-2014-51/2008 दिनांक 01 जनवरी, 2014 में निहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त करते हुए व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने हेतु निर्देशित करते हुए वित्तीय वर्ष 2013-14 की समाप्ति पर केन्द्रांश की धनराशि के अतिरिक्त पूर्व में राज्य सेक्टर से अवमुक्त ₹100.00 लाख में से ₹50.00 लाख की धनराशि को राज्यांश के रूप में समायोजित करते हुए निर्धारित प्रपत्र पर उपयोगिता प्रमाण-पत्र योजना आयोग, भारत सरकार को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, निर्माण इकाई, हरिद्वार को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।
2. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य सम्पादित किये जायें।

3. उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत-01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें 110-अस्पताल तथा औषधालय 24-कोटद्वार में बेस चिकित्सालय, ट्रामा सेण्टर तथा डायग्नोस्टिक सेण्टर का निर्माण (एस.पी.ए.)-00-24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या-386 (P)/XXVIII(3)/2013-14 दिनांक 26 मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

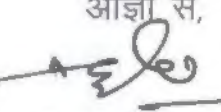
संलग्न - प्रलेखन आई.सी - 51403120522

भवदीय,
(अतर सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या- 52। (1)/XXVIII-5-2013-51/2012 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव-मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/मुख्य चिकित्साधीक्षक, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार गढ़वाल।
7. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
8. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, निर्माण इकाई, हरिद्वार।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
11. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)
संयुक्त सचिव।